Bharat Petroleum
M/s. SHANTA SERVICE STATION
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दैनिक धनुषधारी
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-32, अंक 169, उल्हासनगर, रविवार 15 जून 2025 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

मोदी युग की गाथा पर बोले विधायक आयलानी व जिलाध्यक्ष वधरिया

असंभव को संभव कर दिखाया : 11 साल में बदला भारत का चेहरा

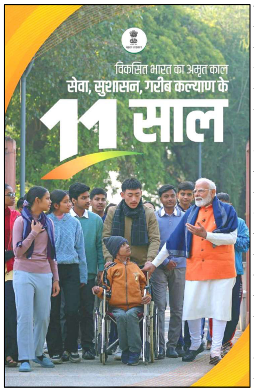

उल्हासनगर(कृष्णा लालवानी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जबसे देश की बागडोर संभाली है, तभी से शासन प्रणाली में पारदर्शिता लाने, जनता के जीवन स्तर को सुधारने और देश को वैश्विक स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। 2014 से पहले जहां आम नागरिक यह मान बैठा था कि 'यह मुमकिन नहीं है', आज वही नागरिक कहता है 'अब यह तो होना ही चाहिए।' देशवासियों के सोच में आया यह परिवर्तन, मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और परिणामोन्मुखी कार्यशैली का प्रमाण है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। मोदी सरकार के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण की यात्रा को साझा करने के उद्देश्य से उल्हासनगर में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया एवं विधायक कुमार आयलानी ने शनिवार 14 जून को पत्रकार परिषद का आयोजन किया था।

अपने संबोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने कहा कि मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मूल मंत्र को साकार किया है। सरकार का असली अर्थ 'सेवा' है और आज 'सुशासन' हमारी राष्ट्रीय संस्कृति बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और संकल्प से सिद्धि जैसे मंत्रों के साथ देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। ये 11 साल मोदी जी की कार्यकुशलता और दूरदर्शिता के गवाह हैं। मोदी जी ने 140 करोड़ भारतीयों को साथ लेकर यह यात्रा तय की है, जिसमें देश विकसित राष्ट्र की दिशा में अग्रसर हुआ है। इन 11 वर्षों की उपलब्धियाँ इतनी विशाल हैं कि उन्हें एक ही पत्रकार परिषद में समेटना नामुमकिन है। तकनीक के प्रभावी उपयोग से मोदी सरकार ने विकास को नयी गति दी है। डीबीटी प्रणाली के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे आम नागरिक के खाते में पहुँचा है। पहले जहाँ योजनाओं का लाभ नहीं पहुँचता था, अब वही लाभ गरीब से गरीब व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वे कहते है कि गरीबी उन्मूलन का जो संकल्प लिया गया था, उसके तहत अन्न योजना में 80 करोड़ लोगों को अनाज मिला, उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को गैस कनेक्शन मिला, आवास योजना के माध्यम से लाखों को पक्के मकान दिए गए और करोड़ों भारतीय बीपीएल से ऊपर उठे हैं। मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन को संभव किया है। अब देश व्यवसाय करने में सरलता की ओर बढ़ा है।

बात करें अपने शहर की तो उल्हासनगर को अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत 426 करोड़ के ड्रेनेज प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार ने 140 करोड़ रुपये की मदद दी है। इसी तरह पानी के प्रोजेक्ट में 126 करोड़ में से 42 करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा मिले हैं। शहर में जल्द ही 100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू होंगी। ई-व्हीकल की सेवा को भी बढ़ावा मिला है। कर्जत से कसारा तक तीसरी और चौथी रेल लाइन का काम तेज गति से शुरू हो चुका है, जिसका लाभ उल्हासनगर वासियों को मिलेगा। उल्हासनगर शहर के विकास के लिए ऐसे असंख्य कार्य मोदी सरकार के माध्यम से हुए हैं।

वहीं विधायक कुमार आयलानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में देश को जिस ऊँचाई पर पहुँचाया है, वह अब तक कोई सरकार नहीं कर पाई। जो काम हम सोच भी नहीं सकते थे, उन्हें मोदी जी ने कर दिखाया। राम मंदिर निर्माण हो, या काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, मोदी सरकार ने हिन्दू आस्था को नई पहचान दी है। अनुच्छेद 370 हटाकर कश्मीर को देश की मुख्यधारा में जोड़ा और राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेल संपर्क को मज़बूत किया गया है। वहीं, वंदे भारत एक्सप्रेस और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट्स ने रेलवे को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। देश में रोज 100 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अब हर घर को पानी, बिजली, अनाज और मकान मिलना संभव हो रहा है। मेक इन इंडिया के तहत खासतौर पर रक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। पहले जहाँ मोबाइल जैसे उत्पाद विदेशों से आते थे, अब भारत में ही बनकर विदेशों में निर्यात हो रहे हैं। वॉटर ट्रांसपोर्टेशन को भी बल मिला है। गरीब से गरीब व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाया जा रहा है। किसानों के लिए भी अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं।

आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से गरीबों को 5 लाख रुपये तक का बीमा मिला है। तीन तलाक को हटाकर मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को सख्त जवाब दिया गया। आतंकी ठिकानों पर भारत ने पाकिस्तान में घुसकर कार्यवाही की। यह भारत की रक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। विधायक आयलानी ने कहा कि मोदी जी इन उपलब्धियों का श्रेय स्वयं न लेकर 140 करोड़ भारतीयों को देते हैं, और यही उनकी महानता है। उन्होंने साथ ही कहा कि हिंदू सिंधी समाज की ओर से हम प्रधानमंत्री मोदी को नमन करते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान और अन्य देशों में पीड़ित सिंधियों को भारतीय नागरिकता देकर उन्हें सम्मान और अधिकार दिए।

उल्हासनगर 141 विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक श्री कुमार आयलानी के स्वीय सहायक श्री उमेश सोनार का सोमवार 16 जून, 2025 को शुभ जन्मदिन है. इस अवसर पर श्री सोनार को उज्वल व स्वस्थ्य भविष्य हेतु आनंदमय हार्दिक शुभकामनाएं।

शुभेच्छुक - विधायक कार्यालय स्टाफ.

Staff Required
(SINDHI MALE)

Qualification-B.COM PASSED
FOR ACCOUNTS
& FOR SALESMAN
Qualification- 10TH PASSED

CONTACT : **MR. RAJESH**
MOB.NO. **9307579475**

एडवांस्ड कैंसर केयर व प्रारंभिक जांच की ओर नई पहल

सुरेखा क्रिटिकेयर हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजी ओपीडी का शुभारंभ

उल्हासनगर (नि.सं.)। उल्हासनगर में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले उल्हासनगर कैंप 3 स्थित सुरेखा क्रिटिकेयर अस्पताल में 12 जून को अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजी ओपीडी (कैंसर परामर्श केंद्र) का भव्य शुभारंभ किया गया। यह पहल कैंसर की प्रारंभिक जांच और विशेषज्ञ परामर्श के उद्देश्य से शुरू की गई है, जो आने वाले समय में शहरवासियों को बड़ी राहत प्रदान करेगी। इस शुभ अवसर पर हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. प्रकाश कोरानी की अगुवाई में देश के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट्स की विशेष उपस्थिति रही जिसमें हेमेटो-ऑन्कोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन और सेल्युलर थैरेपी विशेषज्ञ डॉ. बिलाल काजी व एमडी फिजिशियन (यूक्रेन), डीएनबी (इंटरनल मेडिसिन), डॉ. एन.बी. (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गायत्री रहेजा विशेष रूप से मौजूद रहे।

उक्त कार्यक्रम सुनैक्ट ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने कैंसर के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और सही उपचार की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. प्रकाश कोरानी ने जानकारी देते हुए बताया कि, "हमारा उद्देश्य है कि शहरवासियों को विशेषज्ञ कैंसर परामर्श स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करायी जाए, जिससे उन्हें मुंबई आदि बड़े शहरों में इलाज के लिए धक्के खाने की जरूरत न पड़े. यह ओपीडी हर मरीज के लिए एक नई आशा लेकर आई है।" कार्यक्रम में स्थानीय चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और नागरिकों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की। हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि अब से नियमित रूप से विशेषज्ञ डॉक्टर कैंसर से जुड़ी जांच और परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे. इस बारे में अधिक जानकारी के लिए सुरेखा क्रिटिकेयर हॉस्पिटल के ऑन्कोलॉजी क्लिनिक से मोबाइल नंबर 8237898959 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिन्दा व्यक्ति को डॉक्टर ने घोषित किया मृत!

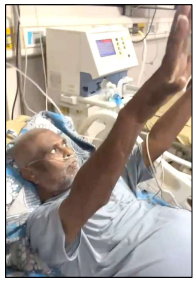

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर के शिवनेरी अस्पताल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल वहां डॉक्टर ने एक जिन्दा व्यक्ति अभिमान तायडे (64) को मृत घोषित कर दिया। इतना ही नहीं इस बाबत मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया। अभिमान तायड़े के परिजनों के अनुसार उनकी तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं थी , इसलिए उनका इलाज मुंबई के एक अस्पताल में चल रहा था। इस बीच वे अचानक बेहोश हो गए तो उनका बेटा उन्हें रिक्शे से उल्हासनगर के कैंप पांच स्थित शिवनेरी अस्पताल ले गया। वहां डॉ. आहूजा ने रिक्शे पर ही मरीज की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद, अस्पताल से सीधे मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी किया गया। जिसके बाद परिजन अभिमान तायडे को घर ले गए और अंतिम संस्कार की तैयारी में जुट गए।

जब अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, तब रिश्तेदारों ने देखा कि अभिमान तायडे की सीने में धड़कन हो रही थी। जिसके बाद उन्हें तुरंत उल्हासनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां जैसे ही डॉक्टरों ने तत्काल इलाज शुरू किया, अभिमान तायडे को होश आ गया। इस मामले में डॉ. आहूजा ने अपनी गलती होने की बात स्वीकार की है और बताया है कि 'मरीज की नस नहीं मिल पाई और आसपास शोर के कारण दिल की धड़कन भी नहीं सुनी जा सकी।' उन्होंने कहा 'मुझे अफसोस है कि गलती से हमने उन्हें मृत घोषित कर दिया।'

उल्हासनगर में पुलिस अधिकारियों के लिए आहार और स्वास्थ्य पर विशेष सत्र संपन्न

उल्हासनगर (नि.स.)। शुक्रवार दिनांक 13 जून को परिमंडल 4 के सभी पुलिस अधिकारियों, अमलदारों एवं उनके परिवारजनों के लिए पुलिस वेल्फेयर कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सत्व मॅनेजमेंट लाइफस्टाइल की ओर से डॉ. सोनल पुरोहित द्वारा आयोजित की गई थी, जो कि उल्हासनगर 3 स्थित सिंधू भवन में सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.45 बजे तक आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम में डॉ. सोनल पुरोहित ने उपस्थित अधिकारियों व उनके परिवारजनों को स्वस्थ आहार, पोषण और दैनिक जीवन में स्वास्थ्यप्रद जीवनशैली के बारे में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू उपलब्ध खाद्य सामग्री और फलों-सब्जियों का उपयोग किस प्रकार से संतुलित आहार में किया जा सकता है। साथ ही पुलिस विभाग की कार्यशैली में उत्पन्न होने वाले तनाव को किस प्रकार से कम किया जा सकता है, इस विषय पर भी उन्होंने सुझाव दिए। कार्यशाला का उद्घाटन अपर पुलिस आयुक्त (पूर्व प्रादेशिक विभाग, कल्याण) संजय जाधव द्वारा किया गया। इस अवसर पर परिमंडल 4 के प्रभारी अधिकारी, विभिन्न थानों के पुलिस कर्मचारी और उनके परिवारजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 150 से 200 पुलिस अधिकारी एवं अमलदारों की सहभागिता रही।

अंबरनाथ में मनसे का वृक्षारोपण अभियान

राज ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर कानसई क्षेत्र में पौधारोपण

अंबरनाथ (नि.स.)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर मनसे शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर के नेतृत्व में शनिवार को अंबरनाथ के कानसई परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसके तहत कानसई परिसर में पौधे लगाए गए। इस बार पार्टी ने एक हजार पेड़ लगाने की योजना बनाई है।

यह वृक्षारोपण अभियान मनसे शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर और पूर्व नगरसेविका अपर्णा कुणाल भोईर की पहल पर चलाया गया। इसमें कानसई पहाड़ी पर अस्पताल के लिए आरक्षित भूखंड पर पेड़ लगाए गए। इस बार लगाए गए सभी पेड़ बड़, पीपल, नीम जैसी भारतीय प्रजातियों के हैं और बड़े होंगे, जिससे भविष्य में कानसईकरों को भरपूर मात्रा में छाया और ऑक्सीजन मिल सकेगी, ऐसा कुणाल भोईर ने इस अवसर पर कहा। उन्होंने आने वाले दिनों में कानसई क्षेत्र में 1,000 पेड़ लगाने की मंशा भी जताई। इस वृक्षारोपण अभियान में कानसई क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, गणमान्य व्यक्ति, डॉक्टर और महिलाएं बड़ी संख्या में मौजूद थीं। इस अवसर पर एलएलबी उत्तीर्ण अपर्णा भोईर का नागरिकों द्वारा विशेष रूप से अभिनंदन किया गया।

वृद्धाश्रम में मनसे का सेवा पर्व : राज ठाकरे को समर्पित दिन

उल्हासनगर (नि.स.)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर उल्हासनगर कैंप 5 स्थित स्वामी शांति प्रकाश वृद्धाश्रम में सेवा कार्य करते हुए मनसे नेताओं व पदाधिकारियों द्वारा उनका जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रहने वाले 85 वरिष्ठ नागरिकों को कंबल, टॉवेल और भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर राज ठाकरे का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे सभी वरिष्ठ नागरिकों ने मनसे पदाधिकारियों का आभार जताया और राज ठाकरे के लिए दीर्घायु और निरोगी जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिलाध्यक्ष बंडू देशमुख, शहराध्यक्ष संजय घुगे और उपशहराध्यक्ष शैलेश पांडव द्वारा किया गया था। इस अवसर पर मनविसे जिलाध्यक्ष धनंजय गुरव, उपशहराध्यक्ष सचिन बेंडके, मुकेश शेठपलानी, विभागाध्यक्ष प्रमोद पालकर, रोहित देवकर, दीपक सावंत, हितेश मेहरा, अनिल गोधडे, गणेश सालवे सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

संपादकीय

बदलेगी सियासत

जाति जनगणना की तारीखों का ऐलान कर सरकार ने यह संदेह दूर कर दिया कि वह इस मुद्दे को लटकाए रखना चाहती है। तय शेड्यूल के अनुसार, 1 मार्च 2027 की आधी रात को जनगणना खत्म होगी। अब अगला सवाल है कि इसके आंकड़े कितनी जल्दी सार्वजनिक होते हैं। वजह यह है कि लोकसभा परिसीमन और महिला आरक्षण का मामला भी इसी से जुड़ा हुआ है।सरकार ने 2011 की सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना में भी जाति के आंकड़े जुटाने की कोशिश की थी, लेकिन तब उसमें इतनी विसंगतियां पाई गईं कि रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं, पिछले डेढ़ दशक में सामाजिक और राजनीतिक रूप से जातिगत जनगणना का दबाव बढ़ा है। हाल में बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों ने इस दिशा में अपनी तरफ से कोशिश भी की, जो विवादों में घिर गई। केंद्र सरकार को इस तरह के विवादों और पिछली गलतियों से बचना होगा।आजाद भारत में जातियों पर राजनीति हुई, लेकिन उनका हिसाब नहीं रखा गया। ऐसे में यह जातिगत जनगणना पूरे परिदृश्य को बदल कर रख देगी। इसका पहला असर होगा लोकसभा सीटों की संख्या पर, जिस पर कोई फैसला 5 दशकों से टलता आ रहा है। देश की बढ़ती आबादी को अब संसद में अपने ज्यादा प्रतिनिधि चाहिए, लेकिन उत्तर और दक्षिण के बीच जनसंख्या का अंतर बड़ी रुकावट है। दक्षिण के राज्यों ने अपनी आबादी पर उत्तर की तुलना में नियंत्रण किया हुआ है। उन्हें डर है कि परिसीमन से उनके यहां सीटें कम हो सकती हैं।1976 में इंदिरा गांधी और 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों ने परिसीमन कराया था, लेकिन सीटों की संख्या नहीं बढ़ाई। इंदिरा सरकार ने 25 साल के लिए सीटें बढ़ाने पर रोक लगा दी थी। वाजपेयी सरकार ने भी इसे बरकरार रखा। 2026 में यह मियाद खत्म हो रही है यानी अब जो जनगणना होने जा रही है, उसी के आधार पर सरकार को परिसीमन से जुड़ा अहम फैसला लेना होगा।जाति जनगणना के साथ जुड़ा एक और अहम सवाल आरक्षण का है। नए आंकड़ों के आधार पर आरक्षण में बदलाव की मांग उठेगी, लेकिन किसी भी तरह के बदलाव के रास्ते में जटिल राजनीतिक और कानूनी पेचीदगियां हैं। इन्हें सुलझाए बिना सरकार के लिए आगे बढ़ना मुश्किल होगा।जाति जनगणना से नए भारत के सामाजिक-आर्थिक समीकरणों को समझने में मदद मिलेगी, साथ में कुछ चुनौतियां भी होंगी। जनगणना के आंकड़े 2029 के पहले जारी हो पाते हैं या नहीं, यह सवाल अपनी जगह है, लेकिन इतना तय है कि इसका असर अगले लोकसभा चुनाव पर जरूर पड़ेगा।

संपादक,टीकम लालवानी

अपने कार्यक्रमों में विभिन्न विचारों के महानुभावों को आमंत्रित करने की है संघ की परंपरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं कि 'अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा'।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सबके लिए खुला संगठन है। इसके दरवाजे किसी के लिए बंद नहीं है। कोई भी संघ में आ सकता है। कोई विपरीत विचार का नेता, सामाजिक कार्यकर्ता या विद्वान व्यक्ति जब संघ के कार्यक्रम में शामिल होता है, तब उन लोगों को आश्चर्य होता है, जो संघ को एक 'क्लोज्ड डोर ऑर्गेनाइजेशन' समझते हैं।

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

जो संघ को समझते हैं, उन्हें यह सब सहज ही लगता है। इसलिए नागपुर में आयोजित संघ शिक्षावर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन समारोह में जब मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के जनजाति वर्ग के कद्दावर नेता अरविंद नेताम को आमंत्रित किया गया, तब संघ को जाननेवालों को यह सहज ही लगा लेकिन संघ के प्रति संकीर्ण सोच रखनेवाले इस पर न केवल हैरानी व्यक्त कर रहे हैं अपितु वितंडावाद भी खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, उनके वितंडावाद की हवा स्वयं जनजातीय नेता अरविंद नेताम ने यह कहकर निकाल दी कि 'वनवासी समाज की समस?याओं और चुनौतियों को संघ कार्यक्रम के माध?यम से रखने का सुअवसर मुझे मिला है'। उन्होंने संघ के संबंध में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की है कि इस संगठन में चिंतन-मंथन की गहरी परंपरा है। भविष्य में जनजातीय समाज के सामने जो चुनौतियां आनेवाली हैं, उसमें आदिवासी समाज को जो संभालनेवाले और मदद करनेवाले लोग/संगठन हैं, उनमें हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मानते हैं। सुप्रसिद्ध जनजातीय नेता अरविंद नेताम श्रीमती इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जय प्रकाश नारायण से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी एवं प्रणब मुखर्जी तक शामिल हो चुके हैं। संघ ने कभी किसी से परहेज नहीं किया। संघ अपनी स्थापना के समय से ही सभी प्रकार के मत रखनेवाले विद्वानों से मिलता रहा है और उन्हें अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करता रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं कि अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार प्रतिष्ठित राजनेता थे। कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ उनका गहरा परिचय था। संघ का दर्शन कराने के लिए डॉक्टर साहब लगातार विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ में आमंत्रित करते थे। वे उस समय की चुनौतियों के संबंध में सबसे विचार-विमर्श करके समाधान के मार्ग तक पहुँचने का प्रयास करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ – स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं कि किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण सम्मानित समाजवादी नेता थे। प्रारंभ में संघ को लेकर उनके विचार आलोचनात्मक थे। लेकिन जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए। उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि यदि आरएसएस फासीवादी संगठन है तो जेपी भी फासीवादी है। प्रख्यात समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया और संघ के पदाधिकारियों के साथ मित्रतापूर्ण संवाद रहा है। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है कि मैं संघ का विधिवत सदस्य नहीं हूँ, फिर भी स्वभाव से, परिकल्पना से मैं स्वयंसेवक हूँ। परम पावन दलाई लामा संघ के अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं, उनका भी कहना है कि मैं संघ का समर्थक हूँ। अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के लिए यह संगठन जाना जाता है। वर्ष 1977 में आंध्रप्रदेश में आए चक्रवात के समय स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को देखकर वहां के सर्वोदयी नेता श्री प्रभाकर राव ने तो संघ को नया नाम ही दे दिया था। उनके अनुसार- आरएसएस अर्थात् रेडी फॉर सेल्फलेस सर्विस।

संघ के कार्यक्रम में जब भी कोई अन्य विचार का व्यक्ति आया है, तब संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से कभी उनका विरोध नहीं हुआ। बल्कि स्वयं को अधिक प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक बतानेवाले लोगों ने ही आमंत्रित महानुभावों को रोकने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। जब उनके सब प्रयत्न विफल हो जाते हैं, तब ये लोग आमंत्रित महानुभावों की छवि पर हमला करने लगते हैं। उन्हें 'छिपा हुआ संघी' घोषित कर देते हैं। याद हो, वर्ष 2018 में नागपुर के रेशिमबाग में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-तृतीय वर्ष के समापन समारोह में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शामिल होने का समाचार सामने आया, तब कितना हो-हल्ला मचाया गया। प्रणब दा को रोकने के लिए पत्र लिखे गए, आह्वान किए गए। आखिर में प्रणब दा समारोह में पहुँचे और अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रणब दा न केवल आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार के घर (संग्रहालय) गए, बल्कि वहाँ उन्होंने विजिटर बुक में लिखा- मैं आज भारत माँ के महान सपूत डॉ. केबी हेडगेवार के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूँ।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया के नेता और दलित नेता दादासाहेब रामकृष्ण सूर्यभान गवई तथा कम्युनिस्ट विचारों वाले जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर भी संघ के कार्यक्रमों में आ चुके हैं। मीनाक्षीपुरम में कुछ हिंदुओं द्वारा धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार किए जाने की घटना के बाद श्री गवई ने स्वयं संघ के कार्यक्रम में आने की इच्छा व्यक्त की थी और अपने विचार रखे थे। केरल की पहली कम्युनिस्ट सरकार में मंत्री रहे जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने स्थानीय विरोधों के बावजूद तत्कालीन सरसंघचालक से संपर्क किया और बाद में पत्रकारों के सामने अपने विचार रखे थे।

अभी हाल के वर्षों में देखें तो, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, डीआरडीओ के पूर्व डायरेक्टर जनरल विजय सारस्वत, एचसीएल के प्रमुख शिव नाडर, नेपाल के पूर्व सैन्य प्रमुख रुकमंगुड कटवाल जैसे व्यक्तित्व संघ के विजयादशमी उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुके हैं। पिछले एक दशक में नागपुर में आयोजित होनेवाले संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में आए प्रमुख महानुभावों में दैनिक पंजाब केसरी के संचालक एवं संपादक अश्वनी कुमार, आदिचुनचुनगिरी मठ (कर्नाटक) के प्रधान पुजारी श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, धर्मस्थल कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. विरेन्द्र हेगडे, साप्ताहिक 'वर्तमान' (कोलकाता) के संपादक रंतिदेव सेनगुप्त, श्रीरामचंद्र मिशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष दाजी उपाख्य कमलेश पटेल, श्री काशी महापीठ (वाराणसी) के 1008 जगद्गुरु डॉ. मल्लिकार्जुन विश्वाराध्य शिवाचार्य महास्वामी, श्री सिद्धगिरी संस्थान मठ (कोल्हापुर) के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी और श्री क्षेत्र गोदावरी धाम बेट सराला के पीठीधीश श्री रामगिरी जी महाराज प्रमुख हैं। इसके अलावा देशभर में आयोजित संघ शिक्षा वर्गों के कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों समाज जीवन के प्रतिष्ठित लोगों को संघ आमंत्रित करता है।

जनरल करिअप्पा ने की संघ कार्य की प्रशंसा

वर्ष 1959 में पूर्व जनरल फील्ड मार्शल करियप्पा मंगलोर में संघ की एक शाखा के कार्यक्रम में गए थे। वहाँ उन्होंने कहा था कि संघ कार्य मुझे अपने हृदय से प्रिय कार्यों में से है। अगर कोई मुस्लिम इस्लाम की प्रशंसा कर सकता है, तो संघ के हिंदुत्व का अभिमान रखने में गलत क्या है? प्रिय युवा मित्रों, आप किसी भी गलत प्रचार से हतोत्साहित न होते हुए कार्य करो। डॉ. हेडगेवार ने आपके सामने एक स्वार्थरहित कार्य का पवित्र आदर्श रखा है। उसी पर आगे बढ़ो। भारत को आज आप जैसे सेवाभावी कार्यकर्ताओं की ही आवश्यकता है।

संघ के वर्ग एवं शाखा में महात्मा गांधी

वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीत शिविर वर्धा में महात्मा गांधी के आश्रम के पास ही लगा था। गांधीजी ने शिविर को देखने इच्छा प्रकट की। वर्धा के संघचालक अप्पाजी जोशी ने शिविर में उनका स्वागत किया। महात्मा गांधी ने बड़ी बारीकी से शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने अप्पाजी से पूछा कि इस शिविर में कितने हरिजन हैं? अप्पाजी ने जवाब दिया- यह बताना कठिन है, क्योंकि हम सभी को हिंदू के रूप में ही देखते हैं। इतना हमारे लिए पर्याप्त है। बाद में उनकी भेंट संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के साथ हुई। संघशिक्षा वर्ग में जाने की यह बात स्वयं महात्मा गांधी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कही। 16 सितंबर, 1947 की सुबह दिल्ली में संघ की शाखा पर जाकर महात्मा गांधी ने स्वयंसेवकों से संवाद किया। उन्होंने कहा- बरसों पहले मैं वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर में गया था। उस समय इसके संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्व. श्री जमनालाल बजाज मुझे शिविर में ले गये थे और वहां मैं उन लोगों का कड़ा अनुशासन, सादगी और छुआछूत की पूर्ण समाप्ति देखकर अत्यन्त प्रभावित हुआ था। संघ एक सुसंगठित, अनुशासित संस्था है।

संघ शिक्षा वर्ग में डॉ. भीमराव आंबेडकर

समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाने वाले महानायकों में से एक डॉ. भीमराव आंबेडकर भी संघ के प्रणेता डॉ. हेडगेवार के संपर्क में थे। बाबा साहेब 1937 और 1939 में संघ शिक्षा वर्ग में गए थे। 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ।

ग्यारह मोदी-वर्षों का हासिल

(शशि शेखर)

'चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ये शब्द देश के सीमावर्ती जिले भुज से निकले और लाइव प्रसारण के जरिये देश-दुनिया में समा गए। उनके विरोधी भले इसे सिनेमाई संवाद कहें, पर ऐसे संदेश भारतीयों के बड़े वर्ग को गर्व का एहसास कराते हैं।

क्या यह निरा संयोग है कि उसी दिन नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के सत्ता-सदन में बतौर प्रधानमंत्री 11 वर्ष पूरे किए थे? वह अपने तीसरे कार्यकाल का पहला साल भी अगले हफ्ते पूरा करने जा रहे हैं।

पिछले बरस 9 जून को जब उन्होंने सत्ता संभाली थी, तब उनके विरोधी कैसे आह्लादित थे? उन्हें लगता था, बहुमत विहीन भाजपा की बैसाखियों को खींच लेने का सुअवसर उन्हें हासिल हो सकता है। एक बरस बाद यह विचार कितना थोथा लगता है? वक्फ बिल को याद करें। जद (यू) और तेलुगुदेशम के अनमनेपन के बावजूद न सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे, न लहजे में कोई बदलाव किया। दिल्ली के सत्तानायक पहले ऐसा करने से बचते थे। लगता था कि सत्ता का साझापन उनकी रफ्तार रोक रहा है।

यकीनन नहीं। आप 2001 से 2025 तक उनके सत्ता-वर्षों को परखकर देख लीजिए। वह शुरू से उस भाषा का इस्तेमाल करते आए हैं, जिसे उनके मतदाता उनकी सुदृढ़ता और साफगोई मानते हैं। परंपरावादी भले इसका बुरा मानें, पर लोकतंत्र में वोटर ही स्वीकार या अस्वीकार करते हैं। वह आज तक कोई चुनाव नहीं हारे, इससे बड़ी स्वीकारोक्ति और क्या हो सकती है?

बतौर प्रधानमंत्री उनके कई काम अनूठे हैं। विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न वितरण योजना, रेल व सड़क नेटवर्क के अभूतपूर्व विस्तार, सैनिक साजो-सामान के स्वदेशीकरण, गति शक्ति और आयुष्मान जैसी तमाम योजनाओं के जरिये देश के नागरिकों को उन्होंने न केवल सहारा दिया, बल्कि विश्वास भी दिलाया कि आपके भले के लिए हम दिन-रात प्रयासरत हैं। यही नहीं, उन्होंने महिलाओं और वंचित वर्गों का खास ख्याल रखा। सैन्य कार्रवाई के नामकरण 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी महिलाओं के मन को छुआ। यह पहला मौका है, जब हमारे पास घोषित 'सुरक्षा नीति' है और अंदरूनी मोरचे पर माओवाद दम तोड़ रहा है।

सैन्य अभियान से याद आया। नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने चीन से जुड़े संवेदनशील स्थानों तक सड़क और ट्रेन परिवहन का जाल बिछाने में गजब की तेजी दिखाई। पिछले हफ्ते की एक सुर्खी पर आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा। मिजोरम की राजधानी आईजोल अब रेल मार्ग से जुड़ गई है। अब तक पूर्वोत्तर के सात में से चार राज्यों के मुख्यालय तक भारतीय रेल के कदम पहुंच चुके हैं। उधर, उत्तराखंड में बद्रीनाथ तक रेल पथ बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। इनमें से कुछ योजनाएं पिछली सरकार के समय की हैं, पर इन्हें सिरे तक पहुंचाने की तत्परता इस सरकार ने दिखाई।

समेकित विकास और सुरक्षा का यह समन्वय अभूतपूर्व है-हुकूमत का ढीलापन कैसे दूर हो? इस पर मोदी की अपनी 'थ्योरी' है। पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता और बाद में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी के तौर पर काम करते वक्त उन्हें महसूस होता था कि संगठन, सत्ता और नौकरशाही में समूचा तालमेल नहीं है। इसी दौरान 26 जनवरी, 2001 को गुजरात में विनाशकारी भूकंप आया। हर ओर हाहाकार मच गया। हालात हाथ से जाते देख अटल और आडवाणी की जोड़ी ने गुजरात में लंबे समय तक संगठन का काम देख चुके मोदी को मुख्यमंत्री की गद्दी सौंपी थी।

मंत्री तो दूर, तब तक मोदी कभी विधायक भी नहीं रहे थे, पर उनकी प्राथमिकताएं तय थीं।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

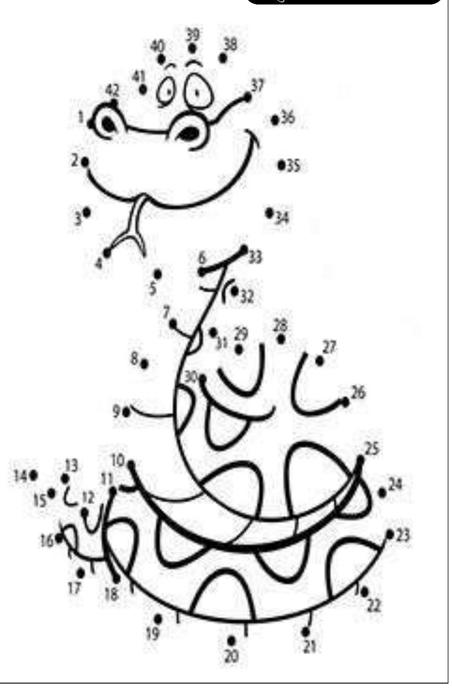

वर्ग पहेली 5602

1	2		3	■	4		5
6		■	7			■	
8		9		■		■	
■	■	10		11		12	
13	14	■	15		■		■
16		■	17		18	■	19
	■	20	■	21		22	
23				■	24		■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 15 अगस्त को भारत के अतिरिक्त कांगों, नार्थ कोरिया, साऊथ कोरिया व इस देश में भी स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है (4)
4. इस वृक्ष को छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण भी होता है (3)
6. मित्र, दोस्त, सखा, उपपति (2)
7. अरब का एक प्रसिद्ध शहर, ग्रांथिक रूप से इस अरबी शब्द का अर्थ शहर या नगर है (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (4)
10. नष्ट्र ध्वंस, बर्बाद (6)
13. चैन, राहत, आराम (2)
15. वह विस्फोटक पदार्थ जो ज्वालामुखी पर्वत से निकलता है (2)
16. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
17. कामिनी (3)
21. सबसे दोस्ती करने वाला (4)
23. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए तय कर लिया हो (4)
24. हाथ, हस्त, महसूल, टैक्स (2)

ऊपर से नीचे

1. ठंडी हवा, पवन (3)
2. अक्षर, वर्ण (3)
3. स्वामीभक्त, उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. मनुहार, मनाने का काम (4)
5. अगल-बगल (4)
9. प्रतिमा, देवमूर्ति, कठोर ह्दय, आकार (2)
11. प्रश्नात्क, प्रश्नपूर्ण, प्रश्नवाचक (4)
12. व्यक्तित्व, अस्तित्व, सामर्थ्य, शक्ति (2)
13. सुंदर नेत्रों वाली, पुराणानुसार महाराज जनक की पत्नी का यह नाम था (4)
14. दुष्ट, दुर्जन, अधम, नीच (2)
18. सद्गति प्राप्त करने वाला (3)
19. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
20. जो दिन इस समय बीत रहा है, इस दिनों में (2)
22. दफा, मर्तबा, आधुनिक मद्यशाला (2)

वर्ग पहेली 5601 का हल

पा	कि	स्ता	न	■	अ	मे	ठी
र्थ	■	व	र	क	न्या	■	क
■	र	क	मी	■	य	दि	■
र	क्षा	■	■	जू	■	ल	क्ष्य
ह	क	■	आ	न	बा	न	■
न	व	नी	त	■	न	वा	ब
■	च	■	ति	थि	■	जी	न
■	■	जौ	■	र	त्त	■	ना

रास्ता खोजो...

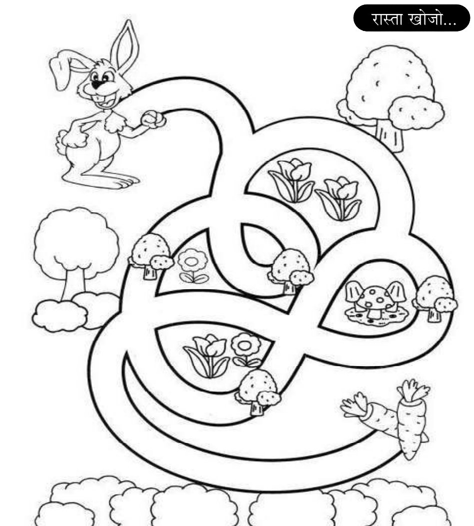

Reliance AUTHORISED DEALER
Konark Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

भारत का वो रेलवे स्टेशन, जिसका 28 अक्षरों से बना है नाम

अंग्रेजी में 26 अक्षर होते हैं, पर आपको हैरानी होगी कि इस रेलवे स्टेशन के नाम में 28 अक्षर हैं. ये रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश में जो तमिलनाडु के बॉर्डर के बिल्कुल करीब है. ये स्टेशन दक्षिण रेलवे ज़ोन में आता है.

भारत में रेलवे का अनुभव हर किसी के लिए बेहद खास होता है. यहां रेलवे सिर्फ एक साधन मात्र नहीं है, बल्कि हर इंसान के लिए लाइफलाइन की तरह है, जो अमीर-गरीब को अपने गणतव्य तक पहुंचाने के काम आता है. ट्रेन से सफर करते वक्त कई रेलवे स्टेशन बीच में पड़ते हैं. कुछ छोटे, कुछ बड़े, जिनका नाम लोगों को याद हो जाता है. पर भारत में एक ऐसा रेलवे स्टेशन भी है, जिसका नाम याद करने में आपको बहुत वक्त लग जाएगा. अगर आप इस स्टेशन पर नए हैं, पहली बार नाम पढ़ रहे हैं, तो इसका पूरा और सही-सही नाम पढ़ने में आपको इतना वक्त लग जाएगा कि आपकी ट्रेन ही छूट जाएगी. वो इसलिए क्योंकि इस स्टेशन का नाम 28 अक्षरों से मिलकर बना है.

ये एक फ्लैग स्टेशन है, जहां कम ही ट्रेनें रुकती हैं.

अंग्रेजी में 26 अक्षर होते हैं, पर आपको हैरानी होगी कि इस रेलवे स्टेशन के नाम में 28 अक्षर हैं. ये रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश में जो तमिलनाडु के बॉर्डर के बिल्कुल करीब है. ये स्टेशन दक्षिण रेलवे ज़ोन में आता है. अब चलिए बिना पहेलियां बुझाए आपको इस स्टेशन का नाम बताते हैं. इस रेलवे स्टेशन का नाम है वेंकटनरसिम्हाराजुवरिपेटा

शॉर्ट फॉर्म में नाम लेते हैं लोग

इस वजह से लोग इस स्टेशन को शॉर्ट में वी एन राजुवारीपेटा बोलते हैं. बहुत से लोग तो इसे टंग ट्विस्टर वाली पहेलियों की तरह एक दूसरे से उच्चारण करने के लिए कहते हैं, मगर साथ में इस पूरे नाम को पढ़ना आसान नहीं होता. ये स्टेशन एक फ्लैग स्टेशन है, यानी यहां पर ट्रेन तभी रुकती है जब सिग्नल होता है, यानी गार्ड या स्टेशन मास्टर द्वारा लाल झंडा दिखाकर ट्रेन को रुकने का इशारा मिलता है.

रेलवे स्टेशनों में होता है फर्क

वैसे ये अकेला इतने बड़े नाम वाला स्टेशन नहीं है. भारतीय रेलवे ने चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पुरात्ची थलाइवर डॉ. एम जी रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन नाम रख दिया था. हालांकि, ये नाम टुकड़ों में बंटा है, इस वजह से याद कर पाना आसान है. अब जब स्टेशनों की बात हो रही है तो जान लीजिए कि भारतीय रेल में 'हॉल्ट' किस प्रकार के स्टेशन होते हैं और ये जंक्शन से कैसे अलग होते हैं!

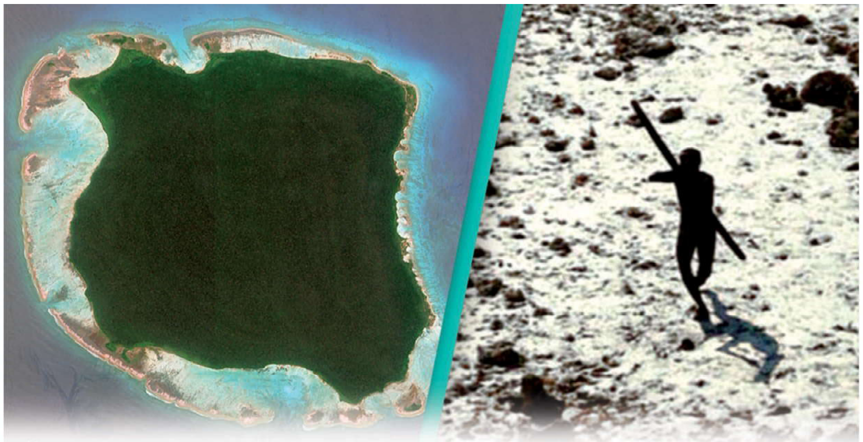

किसी भी बाहरी व्यक्ति का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करते यहाँ के लोग

ये दुनिया निहायत ही खूबसूरत है। इसमें एक ओर खुला आसमान है तो दूसरी ओर बर्फ की चादर ओढ़े सफेद पहाड़, एक ओर हरे-भरे जंगल है तो दूसरी ओर दूर दूर तक फैले रेत के सुनहरे टीले, एक ओर कल-कल बहती नदियां है तो दूसरी ओर शांत और अथाह सागर हिलोरे मार रहा है। ये प्रकृति का बेहद आकर्षक और खूबसूरत चेहरा है। लेकिन इस दुनिया के कुछ हिस्सों में ऐसे भी लोग रहते है, जिन्होंने इस प्रकृति के एक सुंदर हिस्से पर अपना एकाधिकार कर लिया है। वहाँ इस हिस्से में वे अपनी एक अलग ऐसी दुनिया बसा चुके हैं जहां किसी भी बाहरी व्यक्ति का हस्तक्षेप वे बर्दाश्त नहीं करते है।

दुनिया के लगभग हरेक हिस्सों में प्राचीन आदिम जन जातियां निवास करती है जो की वहां पर हज़ारों सालो से रहती आई है। इनमे से लगभग सभी आदिवासी समुदायों तक आधुनिक दुनिया की पहुँच हो चुकी है और वो भी बाकी दुनिया के लोगों से घुल मिल चुके है। लेकिन अभी भी कुछ गिनी चुनी ऐसी आदिम जनजातियां है जिन्हें अपने जीवन में बाहरी दुनिया का हस्तक्षेप पसंद नहीं है। ऐसी ही एक रहस्यमय आदिम जनजाति है लॉस्ट ट्राइब, जो प्रशांत महासागर में भारत के अधिकार क्षेत्र में आने वाले नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड पर रहती है। वह ना तो किसी बाहरी व्यक्ति के साथ संपर्क रखती है और ना ही किसी को खुद से संपर्क रखने देती है। जिसका आधुनिक युग या इस युग के किसी भी सदस्य से कुछ भी लेना- देना नहीं है। यहाँ तक कि इसने आज तक किसी भी बाहरी शख्स को अपनी जमीन पर कदम नहीं रखने दिया है।

साल 2004 में आई सुनामी के वक्त सरकार ने कोस्ट गार्ड के हेलिकॉप्टर सेंटिनल द्वीप पर भेजे थे, ताकि सेंटिनली आदिवासियों की सहायता की जा सके, लेकिन आदिवासियों ने हेलिकॉप्टर पर ही तीर चलाने शुरू कर दिए थे।

महज 23 वर्ग मील में फैले नॉर्थ सेंटिनल द्वीप पर 60 हजार साल से इंसान रह रहे हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां महज 10 घर हैं, जिनमें 15 लोग रहते हैं। ये बाहरी दुनिया से संपर्क नहीं बनाना चाहते, इसलिए जो ऐसी कोशिश करता है उस पर हमला कर देते हैं। सरकार ने भी साल 1997 के बाद से संपर्क बनाने की कोशिश छोड़ दी। नॉर्थ सेंटिनल द्वीप भारत का एक ऐसा द्वीप है, जिस पर 60 हजार साल से इंसान रह तो रहे हैं, मगर हम आज तक नहीं जानते कि वे क्या खाते हैं, क्या बोलते हैं और महज 23 वर्ग मील के इस छोटे से द्वीप पर सूनामी, तूफान जैसी आपदाओं के बावजूद खुद को कैसे जिंदा रखे हुए हैं।

चर्चा में है द्वीप

अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से इसकी दूरी महज 50 किलोमीटर है। इस वक्त इस आइलैंड की चर्चा भारत से लेकर अमेरिका तक में हो रही है क्योंकि यहां के प्रतिबंधित जंगलों में पहुंचे एक अमेरिकी टूरिस्ट जॉन एलन चाऊ (27) की वहां के आदिवासियों ने तीर मारकर हत्या कर दी है। यह टूरिस्ट इस आइलैंड के भीतर गया, यह जानते हुए भी कि इस द्वीप पर रहने वाले आदिवासियों से किसी भी तरह का संपर्क बनाना मना है।

हेलिकॉप्टर पर चला दिए थे तीर

संपर्क न बनाने की दो बड़ी वजह हैं। पहला, ये लोग बाहरी दुनिया से संपर्क नहीं चाहते। जो भी इसकी कोशिश करता है, उन पर तीर-कमान से हमला कर देते हैं। ऐसे में संपर्क बनाना जानलेवा है। साल 2004 में आई सुनामी के वक्त सरकार ने कोस्ट गार्ड के हेलिकॉप्टर सेंटिनल द्वीप पर भेजे थे, ताकि सेंटिनली आदिवासियों की सहायता की जा सके, लेकिन आदिवासियों ने हेलिकॉप्टर पर ही तीर चलाने शुरू कर दिए थे। साल 2006 में दो मछुआरे अपनी नाव समेत भटककर आइलैंड के करीब पहुंचे, तो जान से हाथ धो बैठे। साल 1981 में जब एक जहाज आइलैंड की रीफ के पास फंसा था, तो आदिवासी तीर-कमान, भाले लेकर जहाज के क्रू पर हमला करने लगे। तब किसी तरह उन लोगों को हेलिकॉप्टर की मदद से बचाया गया।

नारियल देख खुश हुए आदिवासी

यूट्यूब चैनल जियो ब्रदर के एक विडियो के मुताबिक, साल 1991 में इन लोगों से पहली बार दोस्ताना संपर्क बना, जब एक नाव में कई नारियल लादकर आइलैंड के करीब ले जाए गए। तब पहली बार वहां नारियल गिराए गए और स्थानीय लोगों को उन्हें खुशी-खुशी उठाते देखा गया। असल में इस आइलैंड पर नारियल नहीं हैं और यहां के आदिवासी इन्हें बेहद पसंद करते हैं। मगर दोस्ताना संपर्क का यह पहला और आखिरी मौका था। सरकार ने इसके बाद साल 1997 में संपर्क की कोशिश छोड़ दी।

निहत्था इंसान पर भी खतरा

सेंटिनल द्वीप के आदिवासियों से संपर्क न करने की दूसरी बड़ी वजह है कि बाहरी दुनिया के संपर्क में आते ही इन लोगों को तमाम बीमारियां होने का खतरा है। यही वजह है कि ट्विटर पर कई लोग अमेरिकी नागरिक चाऊ के आदिवासियों से संपर्क बनाने की आलोचना कर रहे हैं। जेएस शहरयार नाम के एक शख्स ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए ट्वीट किया- मुझे डर है कि कहीं चाऊ के शरीर से आदिवासी लोगों के भीतर बीमारी या इन्फेक्शन न आ गया हो। अगर हममें से कोई भी एक इंसान निहत्था भी इन आदिवासी लोगों के बीच टहलने भर गया, तो उन्हें एनफ्लूएंजा, चिकनपॉक्स जैसी कोई भी बीमारी हो सकती है और इन लोगों की बची-खुची आबादी का भी सफाया कर देगी।

एक अजीबो-गरीब घर, जहां हर चीज है उल्टी-पुल्टी

कोलंबिया में बना यह उलटा घर खूब चर्चित हो गया है. लोग दूर-दूर से इसे देखने पहुंच रहे हैं.

कोलंबिया का यह उलटा घर

कोलंबिया की राजधानी बगोटो के नजदीक ग्वाटावीटा में यह उलटा घर देखकर लोग चकरा जाते हैं. यह उलटा इसलिए है क्योंकि इसे बनाया ही उलटा गया है. ऑस्ट्रिया के डिजाइनर फित्स शाल ने इस घर को डिजाइन किया है. शाल अपने परिवार के साथ कोलंबिया में ही रहते हैं. यह घर इस तरह उलटा है कि लोग छत पर चलते हैं जबकि घर का साज ओ सामान उनके नीचे रखा हुआ है. शाल कहते हैं कि मेरा यह डिजाइन देखकर लोगों ने मुझे पागल बताया था.

ऑस्ट्रिया में है ऐसा ही घर

शाल को इस घर की प्रेरणा तब मिली जब वह 2015 में अपने देश ऑस्ट्रिया की यात्रा पर गए थे. वहां उन्होंने ऐसा ही घर देखा था. शाल बताते हैं, जब मैंने लोगों को बताया कि मैं उलटा घर बना रहा हूं तो उन्होंने मेरी ओर ऐसे देखा जैसे मैं पागल हूं. उन्हें मेरे कहे पर यकीन ही नहीं हुआ. फिर जब मैंने कहा कि मैं कैसा घर बनाऊंगा तो उन्होंने कहा कि जरूर बनाएं जनाब.

महामारी की बाधा

इस घर का निर्माण कोरोनावायरस महामारी के दौरान हुआ है. महामारी ने निर्माण में बाधा पहुंचाई और काम देर से खत्म हुआ. आखिरकार जनवरी 2022 में इसे खोला गया.

सब उलटा पुलटा ही तो है

पर्यटकों को यह घर बेहद पसंद आ रहा है. दूर-दूर से लोग इसे देखने आ रहे हैं. कुछ लोग कहते हैं कि महामारी ने दुनिया को उलटा-पुलटा कर दिया है ऐसे में यह घर सटीक प्रतीक है.

दुनिया की सबसे खौफनाक जगह, कहीं भूत तो कहीं जान जाने का है ख़तरा

धरती पर बहुत सारी जगह हैं जो सुंदर होने के साथ ही प्रकृति का अनूठा संगम कहलाती हैं. वहीं दूसरी तरफ़ इसी धरा पर ऐसे प्लेस भी हैं जो रहस्यमयी, भयानक और ख़ौफनाक हैं. यहां जाने से लोग कतराते हैं. अगर आप उनमें से हैं जिन्हें डरावने स्थानों को एक्सप्लोर करने में कोई डर नहीं लगता तो ये आर्टिकल ख़ास आपके लिए ही है. यहां पर हम दुनिया की कुछ सबसे ख़ौफनाक जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां दिन में भी लोग जाने से डरते हैं.

द किलिंग फ़ील्ड्स

कंबोडियन गृह युद्ध के अंत के दौरान तानाशाह Pol Pot ने लगभग 1.7-2 मिलियन लोगों का नरसंहार किया था. उन्हें पूरे कंबोडिया में ऐसे ही दफ़ना दिया गया था. उनकी हड्डियां आज भी कंबोडिया की किलिंग फ़ील्ड्स में मिलती हैं.

जेकब्स वेल

ये टेक्सास का एक कुआं है जो एक गुफ़ा के ज़रिये झरने से जुड़ा है. ये 30 फ़ीट गहरा है. यहां 8 डाइवर्स की जान इसे एक्सप्लोर करने में जा चुकी है.

डेथ ज़ोन

माउंट एवरेस्ट पर एक ऐसा ज़ोन है जहां पर ऑक्सीजन लेवल बहुत कम हो जात है. इसके चलते यहां कई पर्वतारोहियों की मौत हो चुकी है. यहां 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है इनमें से 150 लाशें वहीं पड़ी हैं.

पोवग्लिया द्वीप

ये इटली की सबसे भुतहा जगह है. यहां पर एक मेंटल हॉस्पिटल हुआ करता था. यहां प्लेग महामारी से पीड़ित लोगों को छोड़ दिया जाता था. इस जगह पर एक कब्रिस्तान भी था. 1968 में एक डॉक्टर की मौत हो जाने के बाद ये जगह बंद है.

पेरिस कैटाकॉम्ब्स

पेरिस की इस जगह पर 13वीं शताब्दी से ही चूना पत्थर और अन्य खनिजों के का खनन किया जा रहा है. इसके नीचे बहुत सारी सुरंगे हैं. 1800 के दशक में यहां के कब्रिस्तान इतने भर गए थे कि हड्डियों को इन सुरंगों में ट्रांसफर कर दिया गया. इन्हें टूरिस्ट देख सकते हैं लेकिन अपने रिस्क पर.

आओकीगहारा जंगल

जापान के इस जंगल को सुसाइड फ़ॉरेस्ट भी कहा जाता है. 1950 के बाद से यहां पर 500 से अधिक लोगों की जान चुकी है. वो यहां घूमने गए थे और कभी लौटकर वापिस नहीं आए. ये भी धरती के Horrible Places में से एक है.

द वॉल

ये अमेरिका के वर्जिन आइलैंड्स में समुद्र में खुलने वाली एक जगह. ये 1000 फ़ीट से 2 मील तक गहरी है. यहां कई लोग डाइविंग करते हुए डूब चुके हैं. समंदर की इस जगह पर बहुत अंधेरा है और पानी भी बहुत ठंडा है.

डेरियन गैप

पनामा का ये क्षेत्र मध्य और दक्षिणी अमेरिका को अलग करता है. यहां बहुत सारे दलदल हैं. यहां जाने वाले लोग ज़हरीले पौधों और ख़तरनाक जानवरों का शिकार हो जाते हैं. ये दुनिया के सबसे ख़तरनाक इलाकों में से एक है. यहां दोनों ओर के विद्रोही लोगों को किडनैप भी कर लेते हैं.

ओवरटौन ब्रिज

स्कॉटलैंड का ये पुल Dumbarton में बना है. इसके बारे में कहा जाता है ये डॉग्स का सुसाइड पॉइंट है. यहां से कूदकर कई डॉग्स की जान जा चुकी है. कहते हैं कि हर साल कम से कम एक डॉग यहां ऊपर जाता है और नीचे के पानी में छलांग लगा देता है. ऐसा क्यों होता है वैज्ञानिक भी इसका पता नहीं लगा पाए हैं.

द मारियाना ट्रेंच

प्रशांत महासागर के बीच बसा ये धरती का सबसे गहरा पॉइंट है. यहां भी कई लोगों की जान जा चुकी है. इसका रहस्य जानने के लिए भी बहुत से अभियान चलाए गए मगर पानी का बहुत दबाव होने के चलते गोताखोर ज़्यादा देर तक अंदर नहीं रह पाते थे.

नीट यूजी 2025 में राजस्थान के महेश बने टॉपर

● एमपी के उत्कर्ष की दूसरी रैंक,टॉप 10 में सिर्फ एक लड़की ● कहा-यूपीएससी करना चाहता था,टीचर ने नीट की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी 2025 का रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया। 20.08 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे। इनमें से 112.3 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुए हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने टॉप किया है। उन्हें 720 में से 686 मार्क्स मिले हैं। ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने बताया कि 10वीं के बाद वो आर्ट्स लेकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहता था। मगर एक टीचर के समझाने से उसने साइंस ली और नीट की तैयारी करने लगा।

एमपी के इंदौर के उत्कर्ष अवधिया की सेकेंड और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी की थर्ड रैंक आई है। टॉप 10 में केवल 1 लड़की है। दिल्ली की अविका अग्रवाल को फीमेल कैटेगरी में पहला स्थान मिला है। कैंडिडेट्स एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉग इन करके नीट रिजल्ट 2025 डाउनलोड कर सकते हैं। 2024 में अनारक्षित कैटेगरी के लिए कट-ऑफ स्कोर 162 था, जो इस साल घटकर 144 हो गया

है। बीते साल एआईआर 1 पर 17 स्टूडेंट्स थे। इन सभी ने 720 में से 720 स्कोर किए थे। इस साल मुश्किल पेपर की वजह से टॉपर का स्कोर और कट-ऑफ नीचे आ गया है।

इंदौर के सेंटर्स पर नीट यूजी परीक्षा देने वाले 75 कैंडिडेट्स ने शिकायत की थी कि 4 मई को आंधी-तूफान और बिजली चली जाने की वजह से उनका पेपर बिगड़ गया। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में दायर याचिकाओं पर 9 जून को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा है कि एनटीए इन 75 कैंडिडेट्स को छोड़कर बाकी सभी का रिजल्ट जारी कर सकता है। इन 75 छात्रों का रिजल्ट बाद में जारी किया जाएगा। इसके बाद नीट यूजी 2025 की फाइनल मेरिट बनेगा। 22.7 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स ने नीट यूजी के लिए रजिस्ट्रेशन किया था। इसमें 13.76 लाख लड़कियों और 9.98 लाख लड़कों ने रजिस्ट्रेशन किया है। 20.8 लाख कैंडिडेट्स इस परीक्षा में शामिल हुए थे।

सीबीआई की रिपोर्ट,सुशांत केस में हत्या के सबूत नहीं

● रिया के वकील बोले-मामले में झूठी कहानियां बनाई गईं,परिवार चुप रहकर सब सहता रहा

मुंबई (एजेंसी)। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है। सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमय तरीके से मृत पाए गए थे। मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से इस मामले की

जांच को सीबीआई को सौंपा गया। अब सीबीआई की आखिरी रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती को 27 दिन जेल में रहना पड़ा था। सीबीआई की तरफ से फाइनल रिपोर्ट सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मानेशिंदे ने बयान जारी कर कहा कि इस मामले में कई झूठी कहानियां बनाई गईं। इसके बावजूद रिया और उनका परिवार चुप रहकर सब सहता रहा।

पहले सिखाते हैं भाषा-बोली, फिर बनाते हैं 'भारतीय'

वेस्ट बंगाल में अवैध घुसपैठ के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

कोलकाता (एजेंसी)। म्यांमार से बांग्लादेश के रास्ते भारत आने वाले घुसपैठियों को एजेंटों के जरिये सुनियोजित तरीके से भारत में बसाया जा रहा है। रोहिंग्या को भारत में दाखिल कराने के लिए गुवाहाटी और बंगाल से एजेंटों का नेटवर्क संचालित है। ये बांग्लादेश से पारगमन समझौते की आड़ में रोहिंग्या को भारत में घुसपैठ करने में मदद करते हैं। एक बार जब रोहिंग्या देश में आ जाते हैं, तो उन्हें यहां अन्य हिस्सों में ले जाने से पहले बंगाल के मालदा, नादिया, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों को अस्थायी बस्तियों में रोका जाता। इन बस्तियों में उन्हें उर्दू और हिंदी बोलना सीखाते हैं। उसके बाद जहां उनको भेजा जाता है, वहां के स्थानीय मुस्लिम संगठनों के जरिए रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के भारतीय दस्तावेज बनवाए जाते हैं।

जांच कमेटी गठित तीन महीने में देगी रिपोर्ट

● एविएशन मिनिस्टर ने कहा-हादसे की जांच पहले दिन से ही जारी ● मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा,मलबे से एक और शव मिला

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में विमान हादसे पर शनिवार को सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इधर, विमान के मलबे से एक और शव बरामद हुआ है। बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। उधर, आज भी मारे गए लोगों की डीएनए सैंपलिंग का काम जारी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुई दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख मेरी गहरी संवेदना है... मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया था, ताकि देख सकूं कि क्या किया जाना

दिया। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति चाहिए, और क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

● **हादसे वाले दिन क्या हुआ था, सरकार ने बताया-** वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा, 12 जून को दोपहर करीब 2 बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से गैटविक लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हमें तुरंत एटीसी अहमदाबाद के जरिए इस बारे में विस्तृत जानकारी मिली। यह एआईसी 171 था और इसमें कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री, 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस विमान ने दोपहर 1.39 बजे उड़ान भरी और कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर यह गिरने लगा, यानी इसकी ऊंचाई कम होने लगी।

● **एयरपोर्ट से दो किलोमीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान-** उन्होंने बताया, दोपहर 1.39 बजे पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को सूचना दी कि यह मेडी है, यानी पूरी तरह से इमरजेंसी है। एटीसी के मुताबिक, जब उसने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। ठीक एक मिनट बाद यह विमान मेघानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो एयरपोर्ट से करीब 2 किमी की दूरी पर स्थित है। विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल थे और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव सुंदर थे। जहां तक विमान के पूरे इतिहास की बात है, इस दुर्घटना से पहले विमान ने पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद सेक्टर को बिना किसी दुर्घटना के पूरा कर लिया था।

पांच दिनों में 3 देशों का दौरा करेंगे पीएम मोदी

मोदी कनाडा में जी-7 समिट में भी लेंगे हिस्सा

पहली बार क्रोएशिया जाएंगे भारतीय प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही तीन देशों की यात्रा पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी 15 जून से 19 जून के बीच साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की यात्रा करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने आज इसकी सूचना जारी करते हुए बताया कि पीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ भारत की द्विपक्षीय और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पीएम मोदी पहले साइप्रस जाएंगे। इसके बाद कनाडा में जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और फिर वो क्रोएशिया का रुख करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, साइप्रस गणराज्य के

राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बुलावे पर पीएम मोदी 15 जून को दो दिवसीय साइप्रस यात्रा के लिए रवाना होंगे। पिछले 2 दशकों में भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली साइप्रस यात्रा होगी।

टीएनपीएल 2025

जीता हुआ मैच हार गई टीम, गेंदबाज ने 1 गेंद पर लुटा दिए 8 रन

तिरुपुर (एजेंसी)। तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 के 9वें मैच में आईड्रीम तिरुप्पुर तमिजहंस और एसकेएम सेलम स्पार्टन्स की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। एक समय तिरुप्पुर की जीत तय मानी जा रही थी, लेकिन 19वें ओवर में गेंदबाज एसाकिमुथु ए की महंगी गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। सेलम स्पार्टन्स ने यह मैच 4 विकेट से जीतकर सभी को हैरान कर दिया।

मैच के 19वें ओवर में तिरुप्पुर तमिजहंस के कप्तान साई किशोर ने एसाकिमुथु ए को गेंदबाजी सौंपी। इस ओवर में एसाकिमुथु ने 25 रन खर्च किए। ओवर की शुरुआत में उन्होंने 5 गेंदों पर 17 रन दिए, उसके बाद लगातार 4 नो बॉल डालीं, जिन पर सेलम स्पार्टन्स ने 8 रन बनाए। इस ओवर ने तिरुप्पुर की जीत की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया।

ऐसा रहा मैच का हाल

पहले बल्लेबाजी करते हुए तिरुप्पुर तमिजहंस ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 177 रन बनाए। तुषार रहेजा ने 28 गेंदों पर 74 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इसके अलावा अमित और पारदोष पॉल ने 25-25 रन की पारी खेली।

178 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेलम स्पार्टन्स ने 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर 178 रन बनाकर मैच जीत लिया। नीधिश राजागोपाल ने 44 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल थे। 18वें ओवर तक सेलम का स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 147 रन था, और आखिरी 2 ओवरों में टीम को 31 रन की जरूरत थी। 19वें ओवर में एसाकिमुथु ने 25 रन खर्च किए, जिससे मैच का रुख पूरी तरह बदल गया।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां को पड़ा दिल का दौरा, स्वदेश लौटे

बेकेनहैम (ब्रिटेन) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर शुक्रवार को स्वदेश लौट आए क्योंकि उनकी मां सीमा गंभीर को स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

सूत्र ने बताया कि गंभीर को अपनी मां को देखने के लिए वापस लौटना पड़ा, जिन्हें दिल का दौरा पड़ा है और वह इस समय नयी दिल्ली के एक अस्पताल में गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती हैं। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टेस्ट टीम 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए अभी ब्रिटेन में है। सूत्र ने कहा, 'गौतम की मां को बुधवार को दिल का दौरा पड़ा था। वह और उनका परिवार गुरुवार को भारत के लिए रवाना हुए और वे दिल्ली पहुंच गए हैं।

गंभीर की अनुपस्थिति में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे भारत और भारत ए के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के दौरान मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्हें गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक जैसे अन्य कोचिंग स्टाफ से सहायता मिलेगी।

अगर गंभीर के घर पर सब कुछ ठीक रहा तो उनके एक सप्ताह के भीतर इंग्लैंड लौटने की उम्मीद है। बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'उनकी मां की स्थिति में सुधार दिख रहा है हालांकि वह अभी आईसीयू में हैं। पूरी संभावना है कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह शुरुआती टेस्ट (20 जून से शुरू होने वाला) से पहले वापस ब्रिटेन आ जाएंगे।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है: प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है।

प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख

सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें। उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है। प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है। गुजरात टाइटंस की तरफ से आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले यहां कुछ अभ्यास मैच खेलने से टीम को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम सभी के लिए मैदान पर कुछ समय बिताना बेहद महत्वपूर्ण है। आज भी हमने यही किया। यह एक अच्छी, बढ़िया और सख्त पिच लग रही है। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया।

अहमदाबाद विमान हादसा

भारतीय खिलाड़ियों ने पीड़ितों की याद में रखा मौन और काली पट्टी बांधी

बेकेनहैम (इंग्लैंड) (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने 'इंट्रा-स्क्वाड (भारत और भारत ए के खिलाड़ियों की टीमें) मैच की शुरुआत से पहले अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा और बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान पर उतरे।

बृहस्पतिवार दोपहर 242 लोगों को ले जा रहा बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई 171) विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक विमान सवार को छोड़कर सभी की मौत हो गयी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'बेकेनहैम में इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान पर उतरे हैं।

बयान में कहा गया, 'अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन भी रखा गया। मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल और रविंद्र जडेजा सहित इंग्लैंड दौरे पर गए सदस्यों ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में दुर्घटना पर अपनी पीड़ा व्यक्त की है। महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया के जरिये इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'अहमदाबाद में विमान दुर्घटना से स्तब्ध और दुखी हूं। बहुत हृदय विदारक घटना। दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस कठिन समय में साहस प्रदान करें।% चार दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच भारतीय खिलाड़ियों के लिए 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का आखिरी मौका होगा।

पहली बार बिग बैश में खेलेंगे बाबर आजम, प्लेयर ड्राफ्ट से पहले इस टीम से जुड़े

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम को अगले सप्ताह के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले सिडनी सिक्सर्स ने अनुबंधित किया है जिसके बाद वह पहली बार बिग बैश में खेलेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 30 वर्षीय बाबर ने 320 टी20 मैच खेले हैं, और हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर ज़ालमी के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ़ पाकिस्तान की हालिया टी20 सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया था। बाबर ने कहा, 'दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलना और इतनी सफल और सम्मानित फ़्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनना एक रोमांचक अवसर है। सिक्सर्स 2024-25 सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन प्ले-ऑफ़ में लगातार हार का सामना करना पड़ा, प्रतिद्वंद्वी सिडनी थंडर से बाहर होने से पहले होबार्ट हरिकेंस से हार गए। प्रत्येक फ़्रैंचाइज़ी को गुरुवार के ड्राफ़्ट से पहले एक विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित करने की अनुमति है। सिक्सर्स एकमात्र पुरुष टीम थी जिसने अपने विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित नहीं किया, इंग्लैंड के जेमी ओवरटन, क्रिस जॉर्डन, टॉम कुरेन और सैम बिलिंग्स सभी ने अन्य टीमों के साथ अनुबंध किया। इंग्लैंड की जोड़ी जैकब बेथेल और ओली पोप, जो पिछले सीज़न में पहली बार प्रतियोगिता में खेले थे। वे दोनों अपनी पिछली फ़्रेंचाइज़ी, मेलबर्न रेनेगेड्स या एडिलेड स्ट्राइकर्स द्वारा बनाए रखे जा सकते हैं, प्रत्येक टीम को ड्राफ़्ट में एक और खिलाड़ी को बनाए रखने की अनुमति है। एमी जोन्स, एलिस कैप्सी, डेनी व्याट-हॉज सभी को महिलाओं की प्रतियोगिता में बनाए रखा जा सकता है, जहां किसी भी अंग्रेजी खिलाड़ी को पहले से साइन नहीं किया गया है। इंग्लैंड के सैम करन और लेविन बेल और पाकिस्तान की तिकड़ी शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान और शादाब खान ड्राफ़्ट में उपलब्ध होने वाले नए नामों में शामिल हैं।

एमसीसी ने 'बन्नी हॉप' बाउंड्री कैच को अवैध माना, नया नियम इसी महीने लागू होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के खेल की परिस्थितियों में जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे।आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। एमसीसी ने नेसर द्वारा लिए गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बन्नी हॉप' किया। नियमों के अनुसार हालांकि यह तब सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सचमुच में सीमा रेखा से कई बार निकल गया था।

बेडरूम में इस तरह की पेंटिग्स बन सकती है विवाद का कारण

बेडरूम के वास्तु का प्रभाव पति-पत्नी के रिश्तों पर भी पड़ता है. बेडरूम की सजावट करते समय खास ध्यान देना चाहिए. कुछ पेंटिंग्स पति-पत्नी के बीच तनाव बढ़ाने का काम करती हैं. वास्तु शास्त्र में घर में रखी चीजों का खास महत्व होता है. घर में रखी हर चीज में एक ऊर्जा होती है जो घर की तरक्की पर प्रभाव डालती है. वास्तु के अनुसार घर में लगाई गई तस्वीरों का भी खास प्रभाव पड़ता है. खासतौर से बेडरूम में कोई पेंटिग्स या तस्वीर लगाते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए.कभी-कभी हम बिना कुछ विचार किए बेडरूम में ऐसी पेंटिंग्स लगा देते हैं जो देखने में सुंदर तो लगती हैं लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार उन्हें सही नहीं माना जाता है. वास्तु के मुताबिक ये पेंटिंग्स पति-पत्नी के रिश्तों पर बुरा प्रभाव डालती हैं. आइए जानते हैं बेडरूम में किस तरह की पेंटिग्स नहीं लगानी चाहिए.

बेडरूम में गलती से भी ना लगाएं इस तरह की पेंटिंग्स

बेडरूम में कभी भी भूत-प्रेत, बुराई या शैतान से संबंधित कोई पेंटिंग नहीं लगानी चाहिए. इससे घर में नकारात्मक शक्तियां बढ़ती हैं. अगर ऐसी कोई पेंटिंग आपने बेडरूम में लगा रखी है तो उसे तुरंत हटा दें.

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में युद्ध की पेंटिंग नहीं लगानी चाहिए. ऐसी पेंटिंग घर में परेशानी बढ़ाने का काम करती हैं. माना जाता है कि ऐसी पेंटिंग लगाने से पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़े बढ़ते हैं.

बेडरूम में एक अकेले जानवर या इंसान की पेंटिंग भी नहीं लगानी चाहिए. इससे अकेलापन पैदा होता है. वास्तु के अनुसार बेडरूम में आग की फोटो भी नहीं लगानी चाहिए. आग को विनाश का प्रतीक माना जाता है. कहा जाता है कि इसे बेडरूम में रखने से पति-पत्नी में गुस्से की भावना बढ़ती है.

दिवंगत पूर्वजों की तस्वीरें भी बेडरूम में नहीं लगानी चाहिए. वास्तु शास्त्र के मुताबिक बेडरूम में लगी ऐसी तस्वीरें पति-पत्नी के मन में अशांति पैदा करती हैं. पूर्वजों की तस्वीरें पूजा कक्ष की ईशान कोण की दीवार पर लगानी चाहिए.

बेडरूम में जल तत्व की कोई फोटो लगाने से भी बचना चाहिए. माना जाता है कि इससे पति-पत्नी के संबंधों में स्थिरता नहीं आती है. हालांकि बेडरूम की उत्तरी दीवार पर ये पेंटिंग्स लगाई जा सकती हैं.

जंगली जानवर आपको भले ही बहुत प्रिय हों लेकिन इनकी पेंटिंग या कोई फोटो बेडरूम में ना लगाएं. इनके प्रभाव से पति-पत्नी के बीच क्रोध का भाव बढ़ता है. इसलिए बेडरूम में ऐसी तस्वीरें लगाने से बचना चाहिए.

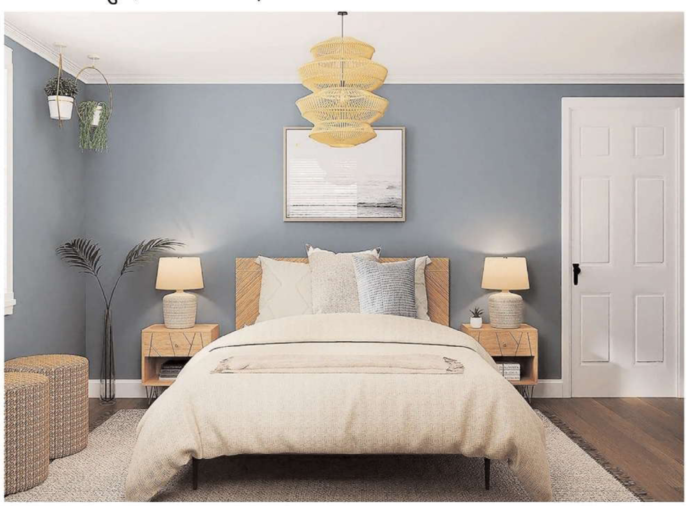

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप अपने पेंडिंग पड़े कामों को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। इनकम को बढ़ाने के सोर्स पर भी पूरा ध्यान देंगे। इसके साथ-साथ आपको अपने घर की जरूरतों पर भी पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपका कोई पुराना लेनदेन खत्म होगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपकी बेवजह झड़प हो सकती है। आपको आज अपनी वाणी की सौम्यता बनाए रखनी होगी।

वृषभ आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें। परिवार में समस्याओं को लेकर आप अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। आपकी किसी मन की इच्छा की पूर्ति होने से आपके घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। दांपत्य जीवन में रोमांस बढ़ेगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आप सामाजिक क्षेत्र में अच्छा नाम कमाएंगे। यदि आपके बिजनेस में कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आपका कोई काम पूरा होने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपको अपने काम को लेकर बेवजह तनाव बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिलने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे और आपकी भाई व बहनों से खूब पटेगी। कार्यक्षेत्र में आप अपने बॉस से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप अपने वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह आज का दिन आपके मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखना बेहतर रहेगा। आप किसी को सलाह देने से बचें। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपकी सेहत को लेकर आपको टेंशन रहेगी। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। आप किसी से मांग कर वाहन चलाने से बचें।

कन्या आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको बेवजह कामों को लेकर टेंशन रहेगी। बिजनेस के सिलसिले में आप कहीं बाहर जा सकते हैं। आपको किसी दुर रह रहे परिजन की याद सताएगी। आप अपनी छोटी-मोटी समस्याओं को लेकर अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। आपकी माताजी का कोई पुराना रोग उभर भर सकता है, जो आपको परेशानी देगा। धन को लेकर भी आपको थोड़ी टेंशन बनी रहेगी।

तुला आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेगी। आप अपने प्रेमी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी काम को लेकर भाग दौड़ लगी रहेगी, लेकिन आप किसी से मांग कर वाहन चलाने से बचें। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए अपने बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए रहेगा। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। भाई व बहनों से आप किसी प्रॉपर्टी को लेकर वाद विवाद में उलझ सकते हैं। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। बॉस से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। कानूनी मामला आज आपको खुशी दे सकता है। आप किसी परिजन से धन उधार लेने से बचे।

धनु आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप कुछ पारिवारिक मुद्दों को लेकर परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे। जीवनसाथी को आप कहीं शॉपिंग पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें अपने प्रयासों में तेजी लानी होगी। आपको किसी लिए गए निर्णय के लिए आज पछतावा होगा।

मकर आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप अपने दोस्तों व सगे संबंधियों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे। आपको कोई इनकम का सोर्स भी बढ़ सकता है। सिंगल लोग जिसे प्यार करते हैं, उन्हें अपने परिवार के सदस्यों से मिलवा सकते हैं। आपको अपने बिजनेस में पूरा ध्यान देकर ही कामों को करना होगा। राजनीति की और कदम बढ़ा रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा।

कुंभ आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपको पुराने किए गए कामों के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है। आपको बिजनेस में भी अच्छे लाभ मिलेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए कुछ रुपयों का इंतजाम कर सकते हैं, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई बेहतर अवसर हाथ लग सकता है।

मीन आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। आपको बिजनेस में भी अप्रत्याशित लाभ मिलेगा, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने भाइयों के साथ कहीं घूमने फिरने का प्लान बना सकते हैं। जीवनसाथी को आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आएंगे। संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

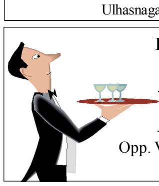
Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

शनि शिंगणापुर देवस्थान से 167 कर्मचारी बर्खास्त

सकल हिन्दू समाज के आंदोलन के बाद लिया गया निर्णय

अहिल्यानगर (नि.स.)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शनि शिंगणापुर देवस्थान ने अपने 167 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इसमें 114 मुस्लिम कर्मचारी भी शामिल हैं। शनि देवस्थान ने स्पष्ट किया है कि इन कर्मचारियों को अनियमितताओं और अनुशासन का पालन न करने के कारण बर्खास्त किया गया है। मंदिर से 114 मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने के लिए सकल हिन्दू समाज आंदोलन कर रहा था। श्री शनि शिंगणापुर मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर विवाद बढ़ गया था।

शनि शिंगणापुर मंदिर ट्रस्ट में कार्यरत 114 मुस्लिम कर्मचारियों के खिलाफ हिन्दू संगठन आक्रामक हो गए थे। संगठन ने मांग की थी कि ट्रस्ट सभी मुस्लिम कर्मचारियों को तत्काल बर्खास्त करे, अन्यथा, 14 जून को मंदिर के बाहर पूरे हिंदू समुदाय द्वारा एक बड़ा मार्च निकालने की चेतावनी भी दी थी। आपको बता दें कि 21 मई 2025 को मुस्लिम कारीगरों ने मंदिर के पवित्र चबूतरे पर ग्रिल लगाई और भगवान शनिदेव के चबूतरे की सफाई और रंगाई-पुताई की। तब मामला और भी गरमा गया था। इस घटना की जानकारी मिलने पर महाराष्ट्र मंदिर महासंघ और हिंदू संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। उसके बाद अब मंदिर के न्यासी मंडल ने सभी मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने का फैसला किया है। इनमें से 99 कर्मचारी पिछले 5 महीने से काम से अनुपस्थित हैं और उनका वेतन भी रोक दिया गया है।

मांस की बिक्री से मुंबई में विमानों को खतरा

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद सकारात्मक निर्णय लेने की संभावना

मुंबई (नि.स.)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे के बाद नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए जरूरी एहतियाती उपायों पर जोर दिया जा रहा है। पर्यावरणविदों ने एक बार फिर हवाई अड्डे के आसपास मटन और चिकन की खुलेआम बिक्री के मुद्दे की ओर ध्यान खींचा है। पक्षी मांस के टुकड़ों के लिए यहां उमड़ रहे हैं और उन्हें डर है कि वे विमानों से टकरा जाएंगे। इसलिए मांस की दुकानों को बंद करने की मांग ने फिर जोर पकड़ लिया है।

दरअसल जल्द ही नवी मुंबई हवाई अड्डा जल्द ही चालू हो जाएगा। एयरलाइंस ने हवाई अड्डे के संचालक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सिडको की अध्यक्षता में एयरोड्रम पर्यावरण निगरानी समिति नियुक्त करने वाली महाराष्ट्र सरकार ने अपने आदेश में साफ तौर पर कहा है कि हवाई अड्डे के 10 किमी के दायरे में पशु वध प्रतिबंधित है। इसके बावजूद पर्यावरणविदों ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि उलवे इलाके में मुर्गे और बकरों के खुलेआम वध और बिक्री को लेकर प्रशासन ने कोई रुख नहीं अपनाया है। उलवे सिडको के अधीन है और इसके बावजूद उन्होंने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद पर्यावरणविदों ने इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत जताई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा प्रबंधित एयरोनॉटिकल इंफॉर्मेशन सर्विस (एआईएस) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की परिचालन तत्परता से संबंधित एक नोटिस टू एयरमैन- सूची जारी की है। हालांकि, उलवे के तीन किलोमीटर के दायरे में अवैध वध से संबंधित मुद्दा इस सूची से गायब है। पर्यावरणविदों ने इस पर आश्चर्य जताया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय से शिकायत

पक्षियों को खुले मांस की ओर आकर्षित होकर यहां आने और विमान से टकराने से रोकने के लिए यह एहतियात जरूरी है। विमान की उड़ान में बाधा डालने वाले कारकों पर समय रहते ध्यान दिया जाना चाहिए, ऐसा नैटकनेक्ट फाउंडेशन ने पर्यावरण विभाग को की गई अपनी शिकायत में कहा है। पर्यावरणविदों ने इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय से शिकायत की है। इसके अलावा डीजीसीए से भी शिकायत की गई है। पर्यावरणविदों ने भरोसा जताया है कि अहमदाबाद हादसे के बाद इस संबंध में कोई सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

विद्यार्थियों के प्रवेशोत्सव को आनंदमय और यादगार बनाने की अपील

भिवंडी (नि.सं.)। 16 जून को प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय खुल रहे हैं. भिवंडी मनपा प्राथमिक शिक्षा विभाग ने मनपा द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए 16 जून सोमवार को प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. मनपा प्रशासन ने शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों एवं अभिभावकों से इस प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर आनंदमय एवं यादगार बनाने की अपील किया है। मनपा शिक्षा विभाग के उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर ने इस कार्यक्रम के लिए शहर के अभिभावकों और प्रतिष्ठित नागरिकों से उनके क्षेत्र के निकटतम मनपा के प्राथमिक विद्यालय में उपस्थित होकर छात्रों को प्रोत्साहित करने एवं कार्यक्रम को आनंदमय और यादगार बनाने के लिए इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने का अनुरोध किया है।

डंपर की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

मुंबई (नि.स.)। मुंबई में सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। शहर में व्यस्त जगहों पर हादसे देखने और सुनने को मिल रहे हैं। सुबह कोस्टल रोड की टनल में एक कार का एक्सीडेंट हुआ। उसके बाद गोवंडी में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर मुंबई में एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा गोवंडी के घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर गोवंडी के व्यस्ततम इलाके शिवाजीनगर सिग्नल पर हुआ। शिवाजीनगर सिग्नल पर शनिवार दोपहर एक डंपर चालक ने तीन लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने उक्त सड़क को जाम कर दिया, जिसके चलते वहां कुछ देर तक दोनों तरफ भारी ट्रैफिक जाम लग गया। इस हादसे के आरोपी डंपर चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

लोकल ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और एस्केलेटर लगाने की उठी मांग

नवी मुंबई (सनी पांडेय)। नेरुल रेलवे स्टेशन से ट्रेनों की फेरी बढ़ाने और स्टेशन पर एस्केलेटर लगाने की मांग नेरुल निवासी संघ ने स्थानीय सांसद नरेश म्हस्के और रेलवे प्रशासन को लिखित निवेदन द्वारा की है। नेरुल रेलवे स्टेशन का उपयोग करने वाले दैनिक यात्रियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर हार्बर और ट्रांस हार्बर रेलवे प्रशासन का ध्यान यहां मौजूद समस्याओं और आवश्यकताओं की ओर खींचने के लिए यह निवेदन दिया गया है।

बताते चलें कि, नेरुल रेलवे स्टेशन अब ठाणे, मुंबई, उरण, उल्वे और पनवेल के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण जंक्शन बन गया है. इस क्षेत्र में आवासीय परियोजनाओं की संख्या और बढ़ती आबादी के कारण, नेरुल स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है. पीक ऑवर्स के दौरान-विशेष रूप से सुबह और शाम को, मौजूदा लोकल ट्रेनों के फेरे यात्रियों के भार को संभालने के लिए अपर्याप्त है. इससे दैनिक यात्रियों को भारी भीड़ और असुविधा का उल्लेख नेरुल रहिवासी संघ के अध्यक्ष स्वप्निल घोलप ने उक्त निवेदन में किया है. निवेदन में नेरुल स्टेशन से उल्वे, उरण, पनवेल, ठाणे, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल तक दोनों दिशाओं में लोकल ट्रेनों की फेरी बढ़ाने की मांग की गई है. साथ ही नेरुल स्टेशन से बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक यात्रा करते हैं, परन्तु स्टेशन परिसर में एस्केलेटर नहीं होने से उनकी सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की गंभीर समस्या पैदा कर दी है. इसके लिए नेरुल निवासी संघ द्वारा स्टेशन पर मुख्य प्रवेश और निकास ठिकानों समेत पैदल यात्रियों के लिए बने पुलों पर एस्केलेटर लगाने की मांग की गई है।

मानसून सीजन में खतरे के 56 दिन

सामान्य जनजीवन बाधित होने की संभावना

ठाणे (नि.स.)। भारी बारिश के कारण ठाणेकरों के लिए 56 दिन खतरे के हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल 4 मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठेंगी। चूंकि ये हाई टाइड के दिन हैं, इसलिए इस दौरान भारी बारिश होने पर निचले इलाकों में पानी जमा होने की संभावना है। इस बारिश के दौरान महानगरपालिका ने अपने सिस्टम को अलर्ट रखा है और मनपा प्रशासन ने नागरिकों से हाई टाइड के दिनों में सावधान रहने की अपील की है।

जून से सितंबर- हाई टाइड के 56 दिन

पिछले महीने कुछ दिनों तक भारी बारिश हुई थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले सप्ताह से बारिश की तीव्रता बढ़ जाएगी। आपातकालीन प्रबंधन योजना के तहत, ठाणे मनपा के आपदा विभाग द्वारा मानसून सीजन के दौरान चार मीटर से अधिक हाई टाइड वाले दिनों की घोषणा की जाती है। आपदा विभाग ने घोषणा की है कि इस साल जून से सितंबर तक 56 दिन हाई टाइड रहेगा।

26 जून को उठेंगी सबसे ऊंची लहरें

जून में 13, जुलाई में 15, अगस्त में 14 और सितंबर में 14 बार हाई टाइड आने की संभावना है। महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड ने यह टाइड शेड्यूल जारी कर दिया है। इनमें 26 जून को सबसे ऊंची लहरें उठेंगी और इस लहर की ऊंचाई 4.74 मीटर होगी, जबकि 25 जुलाई को 4.56 होगी। अगर इस दौरान भारी बारिश होती है और निचले इलाकों में पानी जमा होता है तो सामान्य जनजीवन बाधित होने की आशंका है।

खाड़ी किनारे न जाने की अपील

आपातकालीन विभाग ने नागरिकों से इस मानसून के दौरान हाई टाइड के संबंध में ठाणे नगर निगम द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। प्रशासन ने भी इस हाई टाइड के दौरान खाड़ी या समुद्र में न जाने की अपील की है।

लोकल ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसकर यात्री की मौत

मुंबई (नि.स.)। मुंबई की लोकल ट्रेन में यात्रियों को अपनी जान हथेली पर रखकर सफर करना पड़ रहा है। घाटकोपर स्टेशन पर एक यात्री लोकल और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। रेलवे पुलिस के अनुसार लोकल में चढ़ते समय फिसलकर व्यक्ति नीचे गिर गया। इस यात्री को निकालने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए गए लेकिन दुर्भाग्य से उसकी मौत हो गई। अभी तक इस व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। आपको बता दें कि मध्य रेलवे पर मुंब्रा और दिवा के बीच चल रही लोकल से गिरकर 4 लोगों की मौत की घटना अभी ताजा ही है कि एक और चौंकाने वाली घटना घटी है। मध्य रेलवे के घाटकोपर स्टेशन पर एक यात्री लोकल और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। इस घटना से मध्य रेल सेवा कुछ देर के लिए बाधित हो गई। रेलवे पुलिस मौके पर पहुंचकर उक्त यात्री की जान बचाने में जुट गई। उसे तुरंत घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन इलाज के दौरान इस यात्री की मौत हो गई।

ट्रैफिक जाम की समस्या सुलझाने को सांसद फिर उतरे सड़क पर

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी शहर सहित मुंबई-नासिक हाइवे पर ट्रैफिक जाम की समस्या दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। मुंबई-नासिक हाइवे से होकर गुजरने वाले यात्रियों और वाहन चालकों को वड़पे नाका से लेकर ठाणे तक अक्सर घंटों जाम में फंसना पड़ता है, जिससे ट्रैफिक पुलिस व्यवस्था के विरुद्ध नागरिकों में गुस्सा बढ़ गया है। स्थानीय सांसद सुरेश म्हात्रे (बाल्या मामा) ने हाइवे पर आए दिन हो रहे ट्रैफिक जाम की समस्या का संज्ञान लिया है, जिसको लेकर शुक्रवार को सांसद ने एक बार फिर मुंबई-नासिक हाइवे पर स्थित मानकोली नाका पहुंचे और ट्रैफिक पुलिस को यातायात सुचारू करने के संबंध में निर्देश दिये।

बतादें कि मुंबई-नासिक राष्ट्रीय महामार्ग पर पिछले कई वर्षों से आठ लेन की सड़क बन रही है. सड़क निर्माण का काम काफी धीमी गति से होने के कारण ठाणे-भिवंडी बाईपास रोड पर भारी ट्रैफिक जाम हो रहा है. इस ट्रैफिक जाम में फंसने के कारण नौकरीपेशा लोग, मरीज एवं विद्यार्थी समय से नहीं पहुंच पाते हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. नागरिकों को नियमित हो रही ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए सांसद बाल्या मामा के नेतृत्व में मानकोली में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य महामार्ग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

सांसद म्हात्रे ने बताया कि भिवंडी शहर और ग्रामीण इलाकों में दिन-ब-दिन बढ़ती भारी ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर मानकोली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में वर्तमान में उत्पन्न ट्रैफिक जाम की स्थिति की समीक्षा की गई और उपायों का सुझाव दिया गया। संबंधित अधिकारियों को ट्रैफिक जाम को हल करने और सड़क के अधूरे कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया गया।

मध्य रेलवे: लोकल ट्रेनों में प्रथक श्रेणी डिब्बों में टिकट जांच अभियान सोमवार से

मुंबई (नि.स.)। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मध्य रेल के मुंबई मंडल ने एक साहसिक और निर्णायक कदम उठाया है। उपनगरीय ट्रेनों की प्रथम श्रेणी में अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने और प्रामाणिक यात्रियों के अधिकारों की रक्षा हेतु 'प्रथम श्रेणी डिब्बों में केंद्रित टिकट जांच अभियान' चलाया जाएगा। यह नया अभियान सोमवार, 16 जून से लागू होगा।

प्रथम श्रेणी डिब्बों में अनधिकृत यात्रा की लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर, मुंबई मंडल के विशेष टिकट जांच दल, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ, पीक घंटों में सभी प्रथम श्रेणी डिब्बों में रोटेशन के आधार पर एंड-टू-एंड (पूरी यात्रा के दौरान) तैनात किए जाएंगे। ये दल पूरी यात्रा के दौरान डिब्बों में गहन जांच करेंगे। बिना वैध प्रथम श्रेणी टिकट या पास के पाए गए यात्रियों से ट्रेन में ही मौके पर जुर्माना वसूला जाएगा। भुगतान न करने की स्थिति में, ऐसे यात्रियों को अगले निर्धारित स्टेशन पर उतारा जाएगा, जहां स्टेशन आधारित टिकट जांच कर्मचारी आगे की कार्रवाई करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अभियान का उद्देश्य-

वास्तविक प्रथम श्रेणी यात्रियों के अधिकारों की रक्षा करना, उपनगरीय नेटवर्क में किराया शुद्धता को बनाए रखना, लगातार निगरानी द्वारा अनियमित यात्रा को हतोत्साहित करना है। यह पहल मध्य रेल द्वारा पूर्व में शुरू किए गए एसी लोकल हेल्पलाइन टिकट जांच अभियान की शानदार सफलता के बाद की जा रही है। मुंबई मंडल, ने मध्य रेल के अपने सभी याचियों से अपील की है कि वे वैध टिकट या पास के साथ यात्रा करें और जांच स्टाफ के साथ सहयोग करें, ताकि सभी के लिए यात्रा अधिक सुगम, न्यायसंगत और सुरक्षित बनाई जा सके।

एसी का कंप्रेसर फटने से घर में लगी आग, दो लोगों की मौत

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के माहिम में एसी का कंप्रेसर फटने से एक घर में भीषण आग लग गई। इस आग में दो लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई के माहिम इलाके में एसी का कंप्रेसर फटने से भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने अथक प्रयास कर आग पर काबू पा लिया। बताया गया है कि एसी का कंप्रेसर फटने से दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए जिससे उनकी मौत हो गई। दमकल कर्मी, मनपा के कर्मचारी और माहिम पुलिस मौके पर पहुंची और आग में फंसे बाकी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग लगने के बाद प्रवीण पुजारी (34), मुकेश गुप्ता (34) और शिवमोहन (24) को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

BH Capital
ONE STOP SOLUTION FOR ALL YOUR BUSINESS FINANCIAL NEEDS
UNSECURED BUSINESS LOAN
UNSECURED CORPORATE LOAN
UNSECURED MACHINERY LOAN
UNSECURED WORKING CAPITAL - CC / OD FACILITY
UNSECURED SALES & PURCHASE BILL DISCOUNTING
LOAN AGAINST PROPERTY
Ajay (MBA-Finance)
9321457879
MUMBAI OFFICE: A-5, 3RD FLOOR, CHADHA APARTMENT PREMISES CO-OP. SOC. LTD., TELI GALLI CROSS LANE, OPP. GINGER HOTEL, ANDHERI (E) - 400 069.
REGISTERED OFFICE: OFFICE NO. 7, B WING, PALI HILL APARTMENT, NEAR SADHU VASWANI STATUE, GOL MAIDAN, ULHASNAGAR - 421 002.
E-mail: info@bhcapital.in | www.bhcapital.in

सफाई कर्मी ने ईमानदारी से लौटाई सोने की चैन, हर जगह हो रही तारीफ

पनवेल (नि.सं.)। वडाले तालाब परिसर में सुबह जॉगिंग कर रहे एक नागरिक की सोने की चेन खो गई. हालांकि वार्ड क्रमांक 18 के सफाई कर्मचारी विश्वनाथ पाटिल को सफाई के दौरान वह सोने की चैन मिली और उन्होंने ईमानदारी दिखाते हुए संबंधित व्यक्ति को उनकी चैन लौटा दी. इस सराहनीय कार्य से पनवेल मनपा के सफाईकर्मियों की नागरिको द्वारा सराहना की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह वडाले तालाब परिसर की सफाई करते समय सफाई कर्मचारी विश्वनाथ पाटिल को सोने की चेन मिली थी. जिसके बाद उन्होंने तुरंत एक वरिष्ठ अधिकारी के मार्गदर्शन में इसकी जांच की और संबंधित नागरिक को खोई हुई उनकी वह चैन लौटा दी. पाटिल के इस ईमानदार और जिम्मेदाराना कार्य के लिए मनपा प्रशासन द्वारा उनकी प्रशंसा की जा रही है. उनके इस व्यवहार से अन्य कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन मिला है और समाज में सकारात्मक संदेश गया है।

पनवेल मनपा का 'स्टॉप डायरिया अभियान'

पनवेल (नि.सं.)। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में डायरिया के कारण होने वाली मौतों को पूरी तरह से रोकने के उद्देश्य से देशभर में 'स्टॉप डायरिया अभियान' चलाया जा रहा है. इस अभियान के तहत जिंक और ओआरएस दवाओं का प्रभावी उपयोग, अभिभावकों में डायरिया संबंधी उचित जानकारी और बचाव की आदतें डालना तथा प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिये जाने संबंधी योजना बनायी जा रही है. मनपा क्षेत्राधिकार में इस अभियान को सफलतापूर्वक चलाने के लिए शुक्रवार को मनपा मुख्यालय में आयुक्त मंगेश चितले के आदेश अनुसार उपायुक्त डॉ. वैभव विधाते के मार्गदर्शन में एक विशेष बैठक की गई. इस बैठक में माता बाल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गणेश नाईक, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेहाना मुजावर, मनपा के सभी नागरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के चिकित्सा अधिकारी, आशा सेविका उपस्थित थे।

उल्लेखनिय है कि डायरिया से किसी भी बच्चे की मृत्यु न हो, इसके लिए 'स्टॉप डायरिया' अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के तहत जिस प्रकार मनपा के सभी नागरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस और जिंक कॉर्नर हैं उसी तरह मनपा के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी आंगनवाड़ियों में ओआरएस और जिंक कॉर्नर स्थापित करने के निर्देश दिए उपायुक्त ने दिया. उपायुक्त ने डायरिया से बचाव के लिए मीडिया के माध्यम से जागरूकता लाने के भी निर्देश दिए।

इन बातों का रखें ध्यान

पांच साल से कम उम्र के बच्चों को डायरिया होते ही तुरंत ओआरएस दें. लगातार 14 दिनों तक जिंक दें. मां स्तनपान जारी रखें. पीने के लिए उबला हुआ और शुद्ध पानी इस्तेमाल करें. बच्चे के मल-मूत्र को अच्छी तरह से साफकरें. खाना बनाते या खिलाते समय हाथ अच्छी तरह से धोएं. बच्चे की तबीयत खराब हो जाना, पानी या दूध पीने से मना करना, मल में खून आना और बुखार होने पर तत्काल स्वास्थ केंद्र जाएं।

खसरा-रूबेला टीकाकरण पर चर्चा

भारत सरकार ने 2026 तक देश से खसरा और रूबेला को खत्म करने का लक्ष्य रखा है. इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने खसरा और रूबेला उन्मूलन अभियान शुरू किया है. इस अभियान के तहत सबसे ज्यादा फोकस एमआर-1 और एमआर-2 टीकाकरण पर रखा गया है. इस टीकाकरण के तहत मनपा उन लाभार्थियों की पहचान कर उनका टीकाकरण करेगा, जिन्हें खसरा और रूबेला के टीके की दोनों खुराक नहीं मिली है, अधूरी खुराक मिली है या छूट गई है. साथ ही, 'खसरा और रूबेला उन्मूलन के लिए विशेष टीकाकरण अभियान' भी चलाया जाएगा।

कोस्टल रोड सुरंग में कार पलटने से यातायात हुआ बाधित

मुंबई (नि.स.)। मुंबई में कोस्टल रोड सुरंग में शुक्रवार शाम भारी बारिश के कारण एक कार फिसल कर सड़क के बीचों-बीच पलट गई। गनीमत ये रही कि कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि कार के दोनों एयरबैग खुल गये थे और चालक ने सीट बेल्ट पहना हुआ था। उधर सड़क पर कार पलटने से कुछ समय तक यातायात जाम हो गया, जिससे कई नागरिकों को असुविधा हुई। कुछ समय बाद, यातायात पुलिस ने सुरंग में यातायात को सुचारू रूप से फिर से शुरू किया। घटना के समय, मुंबई सेंट्रल आरटीओ कार्यालय की टैक्सी बचाव टीम का एक वाहन दुर्घटना स्थल के पास से गुजर रहा था।

उन्होंने तुरंत कोस्टल रोड पर आपातकालीन लैंडलाइन फोन का उपयोग करके नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया और एक एम्बुलेंस और एक टोइंग वैन को बुलाया। बचाव दल के सदस्यों ने स्थिति को संभाला, यातायात को सुचारू किया और वाहन के आसपास के क्षेत्र को साफ किया। जब टोइंग वैन पहुंची, तो अन्य ड्राइवरों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सीधा करने का प्रयास किया गया। इसके बाद वाहन को टो किया गया। इस घटना के बाद, कोस्टल रोड की समुद्र के नीचे सुरंग में पड़ी एक कार का वीडियो सामने आया है।

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं कश्मीर सिंह परसोसिंह लबाणा आम जनता को सूचित करना चाहता हूॅ कि मैंने श्रीमती रेखा कन्हैयलाल थावानी से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट सीरियल नंबर 308, दिनांक 28/11/2023 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है:- रूम नंबर 427, बैरक नंबर सी-72 के पीछे, उल्हासनगर-5 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 51डीओ011075100 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं कश्मीर सिंह परसोसिंह लबाणा अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूॅ। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही:- कश्मीर सिंह परसोसिंह लबाणा। (S)